Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में मंगलवार
सायं 5:13 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में बुधवार
सुबह 6:51 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 16 अंक 148 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | मंगलवार, 3 दिसंबर 2024

पत्नी मीरा राजपूत को फिल्मी...पेज-3 पर

News कॉर्नर

दुर्गापुर में पालिका कालोनी से कब्जेदारों को हटाया

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल शहर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी दीपक गोस्वामी के दिशानिर्देश पर सोमवार को पालिका टीम ने दुर्गापुर में पालिका की आवासीय कौलानी का निरीक्षण कर अवैध कब्जेदारों को हटाया। टीम ने सी ब्लाक के 25 आवासों में अपना ताला जड़ा। तीन चार आवासों में अवैध रूप से लोग रह रहे थे, जिन्हें वहां से हटाया गया। बता दें कि पूर्व में भी पालिका ने डी ब्लाक में लगभग 50 आवास खाली कराकर अपना ताला लगाया था। पालिका के अभियान के बाद अन्य ब्लाक में रह रहे लोगों ने स्वयं अपना समान हटा लिया था। कई अवैध अन्यत्र भी चले गए थे। टीम में ईओ द्वितीय विनोद जीना, सूरज चौहान, राजकुमार टांक, दिनेश रत्नाकर आदि रहे।

बोरिंग का एक कनेक्शन भवाली की जनता को मिले

नैनीताल । जिले के भवाली नगर की वरिष्ठ सामाजिक कार्यकत्री खष्टी बिष्ट ने भवाली मस्जिद तिराहे पर की गयी बोरिंग में से एक कनेक्शन भवाली नगर क्षेत्र की जनता को देने की मांग प्राथमिकता से की है।

मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए उन्होंने ज्ञापन जिलाधिकारी वंदना सिंह को भी दिया है। बिष्ट के मुताबिक वर्तमान में भवाली मस्जिद तिराहे पर जल जीवन मिशन के तहत बोरिंग ग्राम भूमियाधार के लिए हो रही है। उन्होंने कहा कि मस्जिद तिराहे पर पांच परिवार रहते हैं बोरिंग से दस मीटर पर लगभग 150 वर्ष से प्राकृतिक जलश्रोत है जिसका पानी यहां पर रहने वाले परिवार के लोग पीने के लिए करते हैं लेकिन अब बोरिंग के बाद यह प्राकृतिक जलश्रोत सूख चुके हैं,इसलिए जरुरी है कि बोरिंग से अब कनेक्शन मस्जिद तिराहे में रहने वाले पांच परिवारों को दे दिया जाए साथ ही एक कनेक्शन वहां से भवाली नगर क्षेत्र की जनता को दिया जाए,जिससे भवाली में वर्षभर होने वाली पेयजल समस्या से कुछ हद तक मुक्ति मिल सके।

संसद में अदाणी मामले पर विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

नई दिल्ली एजेंसी

अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। हालांकि मंगलवार से संसद में गतिरोध कम हुआ और संसद की कार्यवाही जारी है। हालांकि विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में आज भी अदाणी मामले पर विरोध प्रदर्शन किया। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है।

इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है, ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। इसी योजना के तहत भी अपात्र लोगों को लाभ दिया गया और पात्र लोगों को छोड़ दिया गया। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, लेकिन हम राशि का दुरुपयोग नहीं होने देंगे।

बांग्लादेश मुद्दे पर कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने कहा, हम कई मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं। एक है, अडानी मुद्दे पर जेपीसी और उस पर चर्चा। संभल मुद्दा है, अजमेर मुद्दा है, बांग्लादेश मुद्दा है, मणिपुर मुद्दा है। बहुत सारे मुद्दे हैं। लेकिन सरकार हमें इन मुद्दों पर चर्चा नहीं करने दे रही है। जैसे ही हम अडानी का नाम लेते हैं, वे कार्यवाही स्थगित कर देते हैं। संसद के शीतकालीन सत्र पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा, हम (विपक्ष) हमारी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं कि सदन चले और जो जनता हमसे उम्मीद करती है, उस जनता की आवाज को हम बुलंद करें। अब सरकार (सदन की कार्यवाही) चलाना चाहती है तो चलेगा लेकिन अगर वे नहीं चलाना चाहती है, सब समझ आता है कि षड्यंत्र क्या है।

मंत्री बोले- टीएमसी ने अपात्रों को दिया लाभ

मनरेगा को लेकर शिवराज सिंह चौहान और कल्याण बनर्जी भिड़े

नई दिल्ली एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि मनरेगा बजट आवंटन में पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया है और उसे देय राशि रोकी है। जवाब में शिवराज चौहान ने कहा कि यह राशि निश्चित उद्देश्यों के लिए होती है।

हालांकि, मंगलवार को सातवें दिन कार्यवाही हुई। इस दौरान, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी' (मनरेगा) योजना के तहत बजट आवंटन का दुरुपयोग किया गया तथा 'अपात्र' लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया गया है। मनरेगा पर एक सवाल के दौरान पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भिड़ गए। दरअसल कल्याण बनर्जी ने अपने सवाल में आरोप लगाया कि 2022-23 में बंगाल को केंद्र की तरफ से कोई पैसा नहीं मिला। बनर्जी ने कहा कि केंद्र दलील

दे रही है कि इस योजना में गैरकानूनी काम हुए हैं, क्या गैरकानूनी काम हुए हैं? बनर्जी के सवाल का जवाब देने के लिए उठे शिवराज चौहान ने कहा कि मनरेगा की राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए होती है। अगर ये राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति में नहीं जा सकती है तो इसे रोका जा सकता है।

मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ निश्चित लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध पश्चिम बंगाल में किया गया। उन्होंने कहा, %पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है। इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है। ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। इसी योजना के तहत भी अपात्र लोगों को लाभ दिया गया और पात्र लोगों को छोड़ दिया गया। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है।

हल्द्वानी-बरेली मार्ग पर भीषण हादसा, दो की मौत

लालकुआं हमारे संवाददाता

हल्द्वानी-बरेली मार्ग पर लालकुआं के वीआईपी गेट के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। ये दोनों लोग अपने भाई से मिलने के लिए नैनीताल जा रहे थे, लेकिन जब उनकी कार नगर के वीआईपी गेट के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने कट में पहुंची, तो बीच सड़क पर खड़ा एक विशालकाय ट्रक उनसे टकरा गया। बताया जा रहा है कि यह कार नगला की ओर से आ रही थी और तेज गति से ट्रक से टकरा गई। बीती रात लगभग एक बजे ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र के मिस्त्री लाइन के पास हाईवे पर खड़ा ट्रक अचानक खराब हो गया। उसी वक्त, नगला से लालकुआं की ओर आ रही कार ट्रक से भिड़ गई। जोरदार टक्कर के बाद, कार में सवार दोनों लोग बुरी तरह से फंस गए। काफी देर तक रात्रि चौकीदार और अन्य प्रत्यक्षदर्शी राहत कार्य में जुटे रहे, इसके बाद दोनों को कार से बाहर निकाला गया। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल व्यक्तियों को हल्द्वानी के डॉक्टर सुशीला तिवारी चिकित्सालय भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान पंकज शर्मा (45 वर्ष), निवासी 69ए लालबाग, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) और जगत सिंह (45 वर्ष), निवासी सेक्टर 16, दिल्ली के रूप में हुई है। ये दोनों हरियाणा के रहने वाले थे और नैनीताल में अपने भाई से मिलने जा रहे थे।

ऋषिकेश बदरीनाथ हाइवे पर ट्रक नदी में गिरा, दो लोग लापता

ऋषिकेश बदरीनाथ हाइवे के पास एक वाहन अलकनंदा नदी में गिर गया। वाहन में दो व्यक्ति सवार बताए जा रहे हैं।

ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन पैराफिट तोड़ते हुए अलकनंदा नदी में समा गया। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। वाहन में दो व्यक्ति सवार बताए जा रहे हैं। वाहन सड़क से पैराफिट तोड़ते हुए नीचे अलकनंदा में गिरा। नदी से वाहन को बाहर निकालने में रेस्क्यू टीम को मुश्किलों को सामना करना पड़ रहा है।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा बरेली में नहर में गिरी कार

बरेली एजेंसी

बरेली में गूगल मैप ने फिर से गलत रास्ता बता दिया। एक कार कलापुर नहर में गिर गई। हादसे के बाद कार को जेसीबी से नहर से बाहर निकाला गया।

गूगल मैप से लोकेशन देखकर यात्रा करना काफी खतरनाक हो गया है। कुछ दिन पहले अधूरे पुल से कार गिरने पर तीन लोगों की मौत हो गई थी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक बार फिर गूगल मैप के कारण हादसा हो गया। बरेली के इज्जत नगर थाना इलाके के पीलीभीत रोड स्थित एक कार गूगल मैप के कारण कलापुर नहर में गिर गई। कार में तीन लोग सवार थे। घटना की जानकारी होते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। पुलिस ने जेसीबी की मदद से कार को नहर से निकलवाया।

गनीमत रही कि तीन कार सवारों की जान बच गई। इज्जत नगर थाना प्रभारी धनंजव पांडेय ने बताया कि औरैया निवासी दिव्यांशु पुत्र महेंद्र प्रताप सिंह और उनके साथ दो लोग अपनी टाटा टैगोर कार से निकले थे।

वह सैटेलाइट से गूगल मैप के सहारे पीलीभीत जा रहे थे। कलापुर नहर ने गांव बरकापुर तिराहा के पास सड़क का कटान कर दिया है। इस वजह से कार नहर में पलट गई। कार में सवार तीन लोग बाल-बाल बच गए। कार को क्रेन से बाहर निकलवा दिया गया।

किच्छा कोतवाली क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

रुद्रपुर। किच्छा कोतवाली क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। पुलिस ने पति शव को गाड़ी में डाल पैतृक गांव पीलीभीत जनपद उत्तर प्रदेश ले गए। पुलिस के मुताबिक 38 वर्षीय नीलम पत्नी मनोज हाल निवासी गंगोत्री विहार लालपुर में अपने पति बच्चों व ससुराल वालों के साथ रह रही थी। सोमवार शाम उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गयी। इसकी सूचना पुलिस को मिली और पुलिस मौके पर पहुंची तो घर और ताला लटका था। पुलिस ने आस पड़ोस के लोगों से जानकारी ली और पुलिस ने वाहन को उत्तर प्रदेश सीमा के पास से पकड़ लिया। बाद में पुलिस पति सहित अन्य लोगों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

7-8 दिसंबर को सीएसटीयू का कोलकाता में होगा सम्मेलन

रुद्रपुर हमारे संवाददाता

संग्रामी धूरी पर मज़दूर आंदोलन को शासक बनाने के लिए गठित 'सेंटर फॉर स्ट्रगलिंग ट्रेड यूनियंस' यानी सीएसटीयू का प्रथम सम्मेलन 7-8 दिसंबर को कोलकाता में होने जा रहा है।

इस नए केन्द्र का हिस्सा बन चुके मज़दूर सहयोग केन्द्र उत्तराखंड की टीम भी कोलकाता जाएगी। यह जानकारी देते हुए सीएसटीयू के मुकुल ने बताया कि मज़दूर विरोधी नीतियों और मज़दूरों पर बढ़ते हमलों के खिलाफ मज़दूर एकता को मजबूत करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत मज़दूर सहयोग केन्द्र की एकता से नया संग्रामी ट्रेड यूनियन केन्द्र 'सेंटर फॉर स्ट्रगलिंग ट्रेड यूनियंन का गठन हुआ है। सम्मेलन की शुरुआत 7 दिसंबर को कोलकाता के धर्मतला में खुला सत्र से होगी। जिसमे देशभर से कई संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। धीरज जोशी ने बताया

कि उत्तराखंड के रुद्रपुर-पंतनगर के सिड़कुल औद्योगिक क्षेत्र में सम्मेलन के व्यापक प्रचार अभियान के तहत विगत एक पखवारे से नुक्कड़ सभा, छोटी-छोटी जुलूस के जरिए अभियान चलाया जा रहा है। सिडकुल क्षेत्र के अटरिया मंदिर ढाल, ट्रांसिट कैंप,रुद्रपुर शहर, किच्छा, लालपुर, जयनगर-दिनेशपुर, लालकुआं, हल्दुचौड़ और हल्द्वानी क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है। कंपनी के मज़दूरों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। हरेन्द्र सिंह ने बताया कि मज़दूर सहयोग केन्द्र (एमएसके) मज़दूरों के हक के लिए लगातार संघर्षरत और सक्रिय रहा। संगठनों की एकता से देशव्यापी नया केन्द्र सीएसटीयू गठित हुआ है।महेंद्र सिंह, गोविंद, निरजेश यादव, यूसुफ, बालकरन, विद्या सागर, लोकेश पाठक, राजू, बालम सिंह, महबूब आलम, सुधीर, विकल, जमन सिंह, दीपक पंत, डूंगर सिंह, गोपाल, दीवान सिंह, सूरज बोरा आदि के नेतृत्व में दर्जनों मज़दूर प्रचार अभियान में शामिल है।

नियमितीकरण के लिए 150वें दिन आंदोलन जारी

नैनीताल

हमारे संवाददाता

संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आह्वान पर नियमितीकरण की मांग को लेकर चलाया जा रहा पर्यावरण संरक्षण के तहत अनूठा पौधारोपण आंदोलन सोमवार को 150वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि कुमाऊं मंडल विकास निगम के कर्मचारियों के द्वारा महासंघ के महामंत्री कंचन चंदोला के नेतृत्व में केव गार्डन परिसर नैनीताल में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। कहा कि कहा कि पर्यटक आवास गृह पिथौरागढ़ में आंदोलन के 150 वे दिन 150 विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया।

कुमाऊं मंडल व गढ़वाल मंडल की इकाईयों में पौधारोपण किया गया। उन्होंने कहा कि अब तक आंदोलन के तहत 32000 से ज्यादा पौधों का रोपण किया जा चुका है। जो राज्य में किसी भी संगठन द्वारा किया गया एक रिकॉर्ड है ।उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि शीघ्र ही वार्ता के माध्यम से निगम स्तर व शासन स्तर की समस्याओं का समाधान किया जाए।

इसी क्रम में सोमवार को निगम मुख्यालय नैनीताल में एक बैठक आहूत की गई जिसकी अध्यक्षता महासंघ अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी द्वारा की गई व संचालन महामंत्री कंचन चंदोला के द्वारा किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमितीकरण से पूर्व कुमाऊं मंडल विकास निगम के संविदा कर्मचारीयों व गढ़वाल मंडल विकास निगम के अग्रिम आदेश में कार्य कर रहे कर्मचारियों को समान कार्य का समान वेतन अभिलंब दिया जाए, साथ ही यह भी मांग की गई की वर्ष 2018 से वर्ष 2022 तक के संविदा कर्मचारियों को अन्य कर्मचारियों की भांति 3000 रुपया वेतन में बढ़ोतरी किया जाए। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के उपाध्यक्ष गौतम कुमार तथा पीतांबर दुमका तथा बागेश्वर जनपद के अध्यक्ष महेश कुमार दास ने कहा कि शीघ्र ही अग्रिम रणनीति के तहत कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में अर्जुन बोरा, पवन चौधरी, दीप जोशी, प्रेम प्रकाश, हंसी देवी, सुनीता, हर सिंह, शेर सिंह, वेद प्रकाश, पदम सिंह, सौरभ खोलिया, गोपाल बिष्ट, शोभा राम, महेश कुमार, दीपक तथा राजेंद्र सिंह सहित निगम कर्मचारी उपस्थित रहे।

NEWS / फटाफट

तंबाकू से होने वाली हानिया कोटपा एक्ट की जानकारी दी

नैनीताल। विकास खंड धारी में स्थित राजकीय डिग्री कालेज दोषापानी में सोमवार को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू से होने वाली हानियां एवं कोटपा एक्ट-2003 पर विद्यार्थियों को कई अहम जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर मौजूद स्वास्थ्य महकमे के अधिकारियों व कर्मियों ने बताया कि हमारे समाज हमारे आसपास और परिवार में प्रयोग आने वाले तंबाकू उत्पाद एवं स्मोक, सेकंड हैंड स्मोक तथा थर्ड हैंड स्मोक से हमारे परिवार के सदस्य एवं तंबाकू उत्पादन का प्रयोग न करने वाले लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। कार्यक्रम में कालेज की प्रभारी प्रचार्या प्रीति चतुर्वेदी समेत एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक मदन सिंह मेहरा समेत रेनू जलाल,भुवन तिवारी, अनिता नेगी, कविता पंत, अनिता बिष्ट, दिशा पांडे, मनोज कुमार, गणेश सिंह बिष्ट, मोहन चंद्र सनवाल, चन्दन सिंह, हरेन्द्र सिंह कठायत तथा दिवान सिंह बिष्ट तथा देवेंद्र सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे। संचालन एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक मदन सिंह मेहरा तथा हरेन्द्र कठायत ने संयुक्त रुप से किया।

भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

हल्द्वानी। भीम आर्मी कार्यालय मे माननीय नगीना सांसद, भीम आर्मी चीफ, तथा आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्र शेखर आज़ाद का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। सभी भीम आर्मी आज़ाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओ ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और आने वाले उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनावों मे आज़ाद समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिए धरातल पर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मे जी आर टम्टा, नफीस अहमद खान, आर पी गंगोला, सुंदरलाल बौद्ध, सिराज अहमद, हरीश लोधी, मोहन लाल आर्य, अकरम सैफी, कमर भाई, सुलेमान मलिक आदि मौजूद थे,

ऐतिहासिक इमारतों व प्रतिमाओं से छेड़छाड़ पर जताया आक्रोश

नैनीताल। जिला प्रशासन की ओर से ऐतिहासिक इमारतों व प्रतिमाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए नगर के विभिन्न संगठनों से जुड़े जागरुक लोगों की ओर से 12 नवम्बर (मंगलवार) से तल्लीताल स्थित गांधी चौक के समक्ष रात के वक्त पोस्टर लेकर व मोमबत्ती जलाकर तथा जनगीत गाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है,बावजूद इसके प्रशासन मामले को बेहद हल्केपन से ले रहा है। इसी क्रम में सोमवार को भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। बता दें कि गुस्से का इजहार करने वालों में मुख्य रुप से भारती जोशी, यशपाल रावत, एडवोकेट दीपक रूबाली, एडवोकेट कैलाश जोशी, हरीश पाठक, डा.सरस्वती खेतवाल, दिनेश उपाध्याय, जय जोशी, अजय, लीला बोरा आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपाईयों ने नगर में की अलाव जलाने की मांग

नैनीताल। नगर में इन दिनों शाम के वक्त तेजी हो रही ठंड को भाजपाईयों ने बेहद गंभीरता से लिया है। मामले को लेकर भाजपा नगर मंडल की ओर से एक ज्ञापन जिलाधिकारी वंदना सिंह को दिया गया है जिसमें उन्होंने जल्द से जल्द नगर में अलाव जलाने के साथ ही रैन बसरे में भी समाज के असहाय लोगों के लिए विशेष व्यवस्था किए जाने की गुजारिश की है। भाजपाईयों ने कहा है कि पालिका प्रशासन की ओर से बढ़ती ठंड को बिल्कुल नजर अंदाज किया जा रहा है। उन्होंने ठंड को देखते हुए ठंड से राहत दिलाने वाली अलाव व्यवस्था को चालू करने की गुजारिश की है। ज्ञापन में मंडल अध्यक्ष आनंद सिंह बिष्ट समेत दया किशन पोखरिया, शैलेश सिंह बिष्ट, संतोष कुमार, अरविन्द सिंह पडियार, रोहित भाटिया,भगवत रावत,मनोज साह जगाती,उमेश भट्ट आदि भाजपाईयों के हस्ताक्षर है।

गीतांजलि उपाध्याय ने पीएचडी की अंतिम मौखिक परीक्षा दी

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विवि के डीसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग में सोमवार को गीतांजलि उपाध्याय ने पीएचडी की अंतिम मौखिक परीक्षा दी। गीतांजलि ने बिनसर वाइल्ड लाइफ सैंचुरी की प्लांट डायवर्सिटी तथा कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन पर शोध किया है।

बता दें कि गीतांजलि ने विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो.ललित तिवारी तथा प्रो.आशीष तिवारी के दिशा- निर्देशन में अपना शोध पूर्ण किया । ऑनलाइन संपन्न हुई इस परीक्षा में दिल्ली यूनिवर्सिटी की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुमन लखनपाल एक्सपर्ट के रूप में शामिल हुई । वनस्पति विज्ञान विभाग में अनिल वर्मा ने भी अपनी पीएचडी की अंतिम मौखिकी परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से दी । बता दें कि अनिल वर्मा ने अपना शोध सिक्किम हिमालय पर किया तथा प्रो. किरण बरगली तथा प्रो. एस. एस. बरगली एवं एनबीआरई के डॉ. बोहरा के निर्देशन में शोध कार्य किया कार्य किया। अनिल की मौखिकी परीक्षा में जेएनयू प्रो. सतीश गरकोटी एक्सपर्ट रहे। दोनों मौखिक परीक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. एस एस बरगली ने संपादित कराई । मौखिक परीक्षा में प्रो. ललित तिवारी,प्रो. किरण बर्गली,प्रो. अनिल बिष्ट ,प्रो. नीलू लोधियाल, प्रो. सुषमा टम्टा,डॉ. हेम,डॉ. प्रभा,डॉ नवीन तथा डॉ. हिमानी सहित दिशा,वसुंधरा तथा विशाल बिष्ट आदि शामिल रहे।

हाईकोर्ट ने पूर्व के आदेश का अनुपालन न करने के मामले में जवाब पेश करने को कहा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने के मामले में दायर अल्मोड़ा के विधायक मनोज तिवारी की अवमानना याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की एकलपीठ ने सचिव शहरी विकास व जिलाधिकारी अल्मोड़ा को कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर आदेश की अवमानना का दोषी पाते हुए उन्हें अवमानना का नोटिस जारी कर 30 दिसम्बर (सोमवार) तक अपना जवाब पेश करने को कहा है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 दिसंबर (सोमवार) की तिथि नियत की है।

मामले के अनुसार पूर्व में अल्मोड़ा के विधायक मनोज तिवारी ने जनता के हित को देखते हुए उच्च न्यायलय में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि अल्मोड़ा के एनटीडी से लेकर धार की तूणी तक रोड की मरम्मत व चौडीकरण का कार्य किया जाना है जो अति आवश्यक है, क्योंकि इस रोड पर कई स्कूल हैं। रोड की खराब स्थिति व संकरी होने के कारण कई स्कूली बच्चे चोटिल होते आये हैं और रोड पर जाम लगने के कारण स्कूली बच्चे तय समय पर स्कूल नहीं पहुँच पा रहे हैं। इसको लेकर जून माह में कोर्ट ने उनकी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दिए थे कि आप इसकी जाँच करके कोर्ट को अवगत कराएं लेकिन अभी तक सरकार ने इसका जवाब कोर्ट में पेश नही किया, पूर्व के आदेश का पालन नहीं करने पर उनके द्वारा सोमवार को नगर पालिका अल्मोड़ा तथा डीएम अल्मोड़ा व सचिव शहरी विकास के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। सुनवाई पर कोर्ट ने नगर पालिका परिषद अल्मोड़ा के द्वारा कोर्ट को अवगत कराया गया कि कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए पालिका ने रोड की मरम्मत व चौड़ीकरण के लिए सचिव शहरी विकास व डीएम अल्मोड़ा को 74.48 लाख का बजट स्वीकृत कराने का अनुमोदन भेज दिया लेकिन अभी तक तक बजट नहीं मिला न ही कोर्ट के आदेश का अनुपालन किया। कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर कोर्ट ने सचिव शहरी विकास व डीएम अल्मोड़ा को अवमानना का दोषी पाते हुए नोटिस जारी कर जवाब पेश करने को कहा है।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

मस्जिद विवाद पर बवाल मामले की सत्यता की जांच की मांग की

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के संभल शहर में मस्जिद विवाद के बाद मचे बवाल के दौरान मारे गए लोगों और विवाद की निष्पक्ष जांच को लेकर डीके फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस फाउंडेशन ने मानवाधिकार आयोग में याचिका दायर कर हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कमीशन आयोग का गठन कर मामले की सत्यता की जांच की मांग की है।

नैनीताल पहुंचे फ उंडेशन के निदेशक दानिश खान ने कहा हिंदू और मुस्लिम पक्षकारों द्वारा मस्जिद के भीतर अपने-अपने धार्मिक स्थल होने के दावों और कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सर्वे के दौरान मौके पर एकत्र भीड़ पुलिस पर पथराव कर दिया जिसमें कई लोग घायल हो

गए जबकि कई लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। दानिश खान ने आरोप लगाया कि इस दौरान पुलिस भीड़ को बलपूर्वक वह अन्य माध्यमों से नियंत्रित कर सकती।

मगर पुलिस ने लोगों पर गोलियां चलवा दी जिसमें कई लोग घायल हो गए और कई लोगों की अब तक मौत हुई है। पुलिस घटना स्थल पर शांति व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह से फेल रही। पुलिस की लापरवाही के चलते इतना बड़ा हादसा हुआ है जिसमें कई लोगों की जान गई है लिहाजा मामले की जांच को लेकर उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में याचिका दायर की है।

परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दीवान सिंह रावत ने सोमवार को विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल के परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाए रखने के विशेष मकसद से किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा कक्षों का भ्रमण कर परीक्षा प्रक्रिया का जायजा लिया और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए जरुरी दिशा-निर्देश भी जारी किए। कुलपति प्रो.रावत ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र के कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अनुचित साधनों का उपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्र में सुरक्षा और अनुशासन को सर्वोपरि रखा जाए। डीएसबी परिसर में निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. रावत ने परीक्षार्थियों से

सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परीक्षा केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं जैसे बैठने की व्यवस्था, प्रकाश, वेंटिलेशन और अन्य मूलभूत संसाधनों का बारिकी से जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की असुविधा न हो। छात्रों ने कुलपति प्रो. रावत से परीक्षा केंद्र में मौजूद सुविधाओं की सराहना की और उनकी उपस्थिति को प्रेरणादायक बताया। डीएसबी परिसर के गहनता से निरीक्षण के उपरांत कुलपति प्रो.रावत ने विश्वविद्यालय प्रशासन और परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में परीक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नैनीताल। कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि परीक्षा प्रणाली किसी भी शैक्षिक संस्थान की रीढ़ होती है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे विश्वविद्यालय में हर परीक्षार्थी को एक स्वस्थ और निष्पक्ष परीक्षा वातावरण प्राप्त हो। परीक्षार्थियों की कामयाबी और उनका नैतिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

अभिमत

एकता की ताकत

भारत की सीमाओं की रक्षा की तरह ही संस्कृति की रक्षा करना जरूरी है। कुछ राजनीतिक दल धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर लोगों को बांटकर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। वोट के लिए देशद्रोह तक पर उतारू हो जाते हैं। एक तरह से यह संक्रमणकाल है। देशवासियों को किसी भी तरह विभाजित नहीं होना चाहिए। किसी भी विचारधारा से प्रभावित नहीं होकर एकता के सूत्र से बंधे रहने की जरूरत है। एकता से ही हर नागरिक और देश का विकास होगा। सांस्कृतिक विविधता के बाद भी सभी लोगों की एकता ही भारत की शक्ति है।

किसी भी देश की पहचान वहां रहने वाले लोगों के धर्म, जाति, भाषा, खानपान और पहनावे से करना पूरी तरह सही नहीं होगा। राजनीतिक क्षेत्र में इन दिनों 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा उछाला जा रहा है, यह गलत नहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बात को एकता की ताकत के रूप में परिभाषित किया है। भारत को पहचानने और उसकी ताकत का आकलन करना वर्तमान में अत्यावश्यक हो गया है। भारत एक राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि इस देश की हजारों वर्षों की सांस्कृतिक पहचान है। आक्रमणकारियों ने भारत की संस्कृति पर चोट करके विभाजन किया। मुगल और ब्रिटिश शासन की गुलामी के बाद स्वतंत्रता मिलने पर भी भारत का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया। विभाजन से किसी की जीत नहीं होती है, जो भारत से अलग हो गया, उसकी दुर्दशा सबके सामने है। अब पुनः विभाजनकारी षडयंत्र रच रहे हैं। यह षडयंत्र सफल नहीं होगा। भारत के लोग अपनी सांस्कृतिक पहचान से दुनियाभर में जाने जाते हैं। कोई भी देश सिर्फ जमीन के टुकड़े और वहां रहने वाले लोगों की संख्या से नहीं बनता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) राष्ट्रवादी संगठन है। आरएसएस की राजनीतिक इकाई भाजपा का उद्देश्य सिर्फ सत्ता हासिल करना नहीं है। राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना है। भारत की सीमाओं की रक्षा की तरह ही संस्कृति की रक्षा करना जरूरी है। कुछ राजनीतिक दल धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर लोगों को बांटकर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। वोट के लिए देशद्रोह तक पर उतारू हो जाते हैं। एक तरह से यह संक्रमणकाल है। देशवासियों को किसी भी तरह विभाजित नहीं होना चाहिए। किसी भी विचारधारा से प्रभावित नहीं होकर एकता के सूत्र से बंधे रहने की जरूरत है। एकता से ही हर नागरिक और देश का विकास होगा। सांस्कृतिक विविधता के बाद भी सभी लोगों की एकता ही भारत की शक्ति है। 'विविधता में एकता' सिर्फ नारा बनकर नहीं रह जाना चाहिए। समग्र रूप से देखा जाये तो भारत में क्षेत्रीय आधार पर आठ सौ से अधिक बोलियां हैं। कहावत है कि हर दस कोस पर पानी और बोली बदल जाती है, लेकिन लोक नृत्य, लोक संगीत और क्षेत्र विशेष के वाद्य यंत्रों की ध्वनि से पूरे भारत के लोग भावनात्मक रूप से एकता के सूत्र में माला के मनकों की तरह एकजुट हैं। विदेशी आक्रमणकारी भारतीयों को विभाजित करने में सफल नहीं हो सके। संस्कार, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पण से देश की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है।

सरकार का फैसला दूरदर्शितापूर्ण : तोलिया

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया ने प्रदेश सरकार द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने पर निवर्तमान अध्यक्षों को ही पंचायत चुनाव तक अथवा छह माह प्रशासक नियुक्त करने के फैसले को दूरदर्शितापूर्ण बताया है।

संवाददाताओं से बातचीत में बेला तोलिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान नैनीताल जिले से आए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्यों ने प्रशासक नियुक्त होने पर बेला तोलिया का फूलमाला से स्वागत किया। निवर्तमान अध्यक्ष तोलिया ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह फैसला पंचायतीराज एक्ट के प्रावधानों और जनप्रतिनिधियों की भावनाओं के अनुरूप है। पंचायती राज एक्ट में प्रावधान है कि यदि किसी कारणवश त्रिस्तरीय पंचायतों में समय पर चुनाव नहीं हो पाते तो उनमें अधिकतम छह माह प्रशासक नियुक्त किए जा सकते हैं। इसी आधार पर सरकार ने जनहित में निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त करने का निर्णय लिया है। जिससे नैनीताल जिला पंचायत क्षेत्र की 44 न्याय पंचायत एवं 511 ग्राम पंचायतों में विकास कार्य निर्बाध रूप से चलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनहित के ऐसे फैसलों से कांग्रेस सकते में है और अपनी ही पार्टी के जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक बनने पर उनका विरोध कर रही है। कांग्रेस और उसके नेतृत्व की यह फितरत रही है कि वह आम जनता के हितों की तुलना में अपने हितों को अधिक तरजीह देती है, जिसका नतीजा है कि आज प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को हर चुनाव में नकार दिया है। पत्रकार वार्ता के दौरान जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया, ग्राम प्रधान ज्योति आर्या, क्षेत्र पंचायत सदस्य अक्षय सुयाल, प्रधान मनोज चनौतिया, गणेश शाह, गोपाल चंद्र भट्ट, दीपक रौतेला, कमल पलड़िया, वीरेंद्र कुमार, दिनेश प्रसाद, भुवन कुमार टम्टा समेत भारी संख्या में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

प्रवर्तन कार्रवाई में 11 वाहन सीज

हल्द्वानी। परिवहन विभाग की प्रवर्तन कार्रवाई में 10 ऑटो सहित 11 वाहन सीज और 36 वाहनों के चालान किए गए। परिवहन कर अधिकारी गोविंद सिंह के नेतृत्व में चेकिंग अभियान के दौरान बस, ट्रक, टैक्सी मैक्सी, ऑटो मोटरसाइकिल सहित 36 वाहनों के सीटबेल्ट, हेलमेट, ड्रेस, रिफ्लेक्टर, टैक्स, फिटनेस, परमिट आदि के अभियोग में चालान किए गए। चेकिंग अभियान में सहायक उपनिरीक्षक राम चंद्र, चंदन सुप्याल, चंदन ढेला, अरविंद ह्यांकी, पुष्कर आदि शामिल रहे।

सूचना

पासपोर्ट में नाम बदलने का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम HARISH CHANDRA TEWARI (पुराना नाम) से बदलकर HARISH CHANDRA TIWARI (नया नाम) कर लिया है, अत: भविष्य में मुझे HARISH CHANDRA TIWARI (नया नाम) S/O GIRISH CHANDRA TIWARI के नाम से जाना पहचाना जाए। **वर्तमान पता- डीडी विहार, शीशमहल, काठगोदाम, हल्द्वानी (नैनीताल) -263126**

सहायक वन कर्मचारी संघ दक्षिणी कुमाऊं व्रत की आम सभा आयोजित

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सहायक वन कर्मचारी संघ (दक्षिणी कुमाऊं वृत्त) की आम सभा का आयोजन संघ के प्रदेश महामंत्री बृज मोहन सिंह रावत की अध्यक्षता में वन विश्राम भवन भवाली में किया गया।

सभा में वक्ताओं ने आगामी फायर सीजन में फील्ड कर्मचारियों को हर प्रकार की सुविधाएं दिए जाने, लोक सभा चुनाव ड्यूटी के टीए तथा डीए बिलों का भुगतान अतिशीघ्र किए जाने समेत विभागीय कार्य टैंडर प्रकिया द्वारा किए जाने के साथ ही मानव वन्य जीव संघर्ष के दौरान ड्यूटी में तैनात फील्ड कर्मचारियों को रहने तथा खाने की उचित व्यवस्था के साथ ही कर्मचारियों को सुरक्षा के उपकरण दिए जाने की मांग की गई।

बैठक में संघ के आगामी प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव कुमाऊं मंडल में करवाए जाने हेतु अतिशीघ्र प्रदेश स्तरीय आम सभा का आयोजन कुमाऊं मंडल में किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में सभी सदस्यों की सहमति से सूरज बिष्ट को नैनीताल वन प्रभाग नैनीताल के कार्यवाहक अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया।

सभा में सहायक वन कर्मचारी संघ (दक्षिणी कुमाऊं वृत्त) के अध्यक्ष चन्द्र शेखर जोशी, मंत्री रणजीत सिंह थापा, कोषाध्यक्ष गिरधर सिंह नेगी, भूमि संरक्षण वन प्रभाग नैनीताल के अध्यक्ष जीवन कांडपाल, मंत्री गोविंद राम, अतिरिक्त भूमि संरक्षण वन प्रभाग रामनगर के अध्यक्ष मुकेश, भूमि संरक्षण वन प्रभाग रानीखेत के मंत्री राजन, नैनीताल वन प्रभाग नैनीताल मंत्री राजेन्द्र सिंह करायत, संरक्षक राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद नैनीताल बहादुर सिंह बिष्ट, ललित पांडे, भगवती प्रसाद जोशी, बृजेश कुमार शर्मा, अजय रावत, ललित मोहन पौडियाल, राधिका जोशी, सुनील टम्टा, सतीश बोरा, योगेश सिंह बोरा, दुर्गादत मेलकानी, प्रेम सिंह, संतोष जोशी, हरीश चंद्र आर्य, कृपाल राणा, त्रिलोक शाही तथा चन्दन सिंह बिष्ट आदि शामिल रहे। संचालन रणजीत सिंह थापा ने किया।

फिल्मी दुनिया

पत्नी मीरा राजपूत को फ़िल्मी दुनिया से दूर रखना चाहते हैं शाहिद

अभिनेता शाहिद कपूर ने अपनी पत्नी मीरा कपूर के लिए कुछ बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि वे अपनी पत्नी को ग्लैमर की दुनिया से बचा कर रखना चाहते हैं। मीरा राजपूत और शाहिद कपूर बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक हैं। अभिनेता शाहिद कपूर अपनी पत्नी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव रहते हैं। शाहिद कपूर ने जब अपनी शादी की घोषणा की थी, उस समय प्रशंसकों के मन में काफी बातें चल रही थीं। वे अब शादीशुदा जिंदगी बिता रहे हैं। उनके दो बच्चे भी हैं- मीशा और जैन। शाहिद ने इस इंडस्ट्री से अपनी पत्नी को बचा कर रखा है। बातचीत में उन्होंने मीरा राजपूत के लिए कहा, फिल्मों और ग्लैमर की बड़ी बुरी दुनिया है। इससे उन्हें मीरा राजपूत को बचाने की जरूरत महसूस होती है। शाहिद ने मीरा राजपूत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह एक मजबूत, आत्मविश्वासी और बेहद बुद्धिमान महिला हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उसकी जिद खुद को बचाने में अहम रही है।

मीरा से हुई शाहिद की अरेंज मैरिज

पिछले साल मिड-डे को दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि अरेंज मैरिज सेटअप के जरिए अपनी पहली मुलाकात के दौरान उन्हें थोड़ा शर्मिंदगी महसूस हुई थी, लेकिन उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मीरा उनके स्टारडम से कितनी बेपरवाह थीं। उन्होंने अपनी अरेंज मैरिज को अपने जीवन का सबसे अच्छा फैसला बताया और मीरा को अपना आदर्श जीवनसाथी बताया।

पुलिस का ढाबा व रेस्टोरेंट पर छापेमारी, मची भगदड़ शराब की बोतलें तोड़ी

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर जनपद में शराब पीने व पिलाने वालो के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कोतवाल के नेतृत्व में पुलिस ने कई जगहों पर ढाबे और रेस्टोरेंट पर छापेमारी की। पुलिस की कार्रवाई के चलते शराब पीने वालों में भगदड़ मच गई। इस दौरान पुलिस ने दो दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। इनमें ढाबा मालिक भी शामिल हैं। बता दें कि वर्तमान में जनपद में शराब पीने और पिलाने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई चल रही है। इसी कार्रवाई के दौरान सोमवार की रात कोतवाल मनोज रतूड़ी के नेतृत्व में पुलिस का अभियान शुरू हुआ। पुलिस ने रोडवेज, भूरारानी, किच्छा रोड, प्रीत विहार, काशीपुर रोड स्थित ढाबा और रेस्टोरेंट पर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्रवाई के दौरान वहां भगदड़ मच गई। इस बीच ने मौके पर मिली शराब की बोतलों कब्जे में ली। कोतवाल ने बताया कि दो दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले जाया गया। यहां पर सभी के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि ढाबा मालिकों को चेतावनी दी कि अगर दोबारा शराब पिलाने मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। टीम में एसएसआई ललित मोहन रावल, एसएसआई नवीन बुधानी के अलावा सभी चौकी प्रभारी, हल्का इंचार्ज शामिल रहे।

छापेमारी

- **ढाबा मालिक समेत दो दर्जन से अधिक हिरासत में, पुलिस ने 81 एक्ट के तहत चालान**

News कॉर्नर

बाइक रपटने से युवक गंभीर, हायर सेंटर रेफर

नैनीताल। नगर के तल्लीताल क्षेत्र में सडक़ में बाइक रपटने से युवक गंभीर रूप से चोटिल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार तल्लीताल निवासी वंश(21) अपनी स्कूटी से मल्लीताल को आ रहा था कि तेज गति के चलते स्कूटी अनियंत्रित होकर सडक़ में रपट गई। बाइक रपटने से युवक सडक़ में जा गिरा। सडक़ में स्कूटी के साथ रपटने से युवक गम्भीर रूप से चोटिल हो गया। युवक के साथी घायल युवक को राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल ले आये जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। जिला अस्पताल के आकस्मिक चिकित्सा सेवा में तैनात चिकित्सक डॉ. नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि युवक की हालत गंभीर होने के चलते प्राथमिक उपचार के बाद उपचार के लिए उसे हायर सेंटर भेज दिया है।

वैन में 10 सवारी लेकर नैनीताल आना पड़ा महंगा

नैनीताल। दिल्ली निवासी युवक को अपने साथ वैन में 10 सवारी लेकर नैनीताल आना एक वैन चालक को काफी महंगा पड़ गया। पुलिस की नजर वैन में बैठी सवारियों पर पड़ी तो वह भी देखते रह गई। पुलिस ने युवक के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी पंकज त्यागी वैन में अपने परिवार के साथ घूमने के लिए सोमवार को नैनीताल पहुँचा थे। मल्लीताल पुलिस चौकी में जब पुलिस ने उसकी वैन रोकी तो उन्होंने वैन नहीं रोकी। वहां मौजूद पुलिस कर्मी ने वैन का पीछा कर कोतवाली के समीप उसे रोक दिया। जब पुलिस कर्मी ने वैन रोक सवारी गिनी तो उसमें 10 सवारियां बैठी हुई थी जिसको देख पुलिस भी हैरान रह गई। मामले में टीएसआई सुरेश चंद्र पाठक ने बताया कि पंकज त्यागी के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर छोड़ दिया गया है।

डीएम के माध्यम से रानीबाग से कैंची धाम तक जाम को लेकर गडकरी को भेजा ज्ञापन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल महानगर हल्द्वानी द्वारा उप जिलाधिकारी परितोष वर्मा के द्वारा नितिन गडकरी केन्द्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग भारत सरकार को एक पत्र प्रेषित किया गया। जिसमें अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया, एवं तहसीलदार सचिन कुमार की उपस्थित थे। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, उत्तराखंड आपसे सविनय अनुरोध करता है कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 109 के हल्द्वानी-काठगोदाम से रानीबाग तक तथा भवाली से कैंची धाम तक लगातार जाम लगने के कारण हमारे पर्वतीय क्षेत्रों के सभी व्यवसायी प्रभावित हो रहे हैं साथ ही पर्यटन से जुड़े हुए व्यवसाईयों के व्यवसाय पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है लगातार जाम लगने के कारण पर्यटक कौसानी, चौकोरी, अल्मोड़ा, रानीखेत आदि स्थानों पर जाने से कतरा रहे हैं जिससे वहां के पर्यटन व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कुमाऊं मंडल के सभी पर्वतीय क्षेत्रों के व्यापार मंडल इस संदर्भ में आन्दोलन पर उतर आये हैं। हमारी मांग है कि काठगोदाम से रानीबाग के भीमताल डायवर्जन तक तथा भवाली से कैंची धाम तक यथासंभव सड़क चौड़ीकरण करवाने की त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश जारी करने की कृपा करेंगे। साथ ही क्वारब (अल्मोड़ा) में दीर्घ कालीन व्यवस्था के साथ काम करने के निर्देश जारी करेंगे। इन क्षेत्रों में लग रहे जाम से पर्यटन व्यवसाय में बहुत बुरा असर पड़ रहा है साथ ही जाम में फंसे पर्यटक प्रदेश की व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा रहे हैं जिससे प्रदेश की छवि खराब हो रही है। माननीय महोदय से कुमाऊं मण्डल के व्यापार मंडलों का विशेष आग्रह है कि जाम से निजात दिला कर हमारे व्यवसाय के साथ साथ पर्यटन को भी बचाने के लिए इस समस्या को अति गंभीर मानते हुए आवश्यक निर्देश जारी करने की कृपा करेंगे। विज्ञापन प्रेषित करने वालों में जिला अध्यक्ष विपिन गुप्ता महानगर अध्यक्ष योगेश शर्मा जिला महामंत्री हर्षवर्धन पांडे महानगर महामंत्री मनोज जायसवाल प्रचार मंत्री संदीप सक्सेना, ग्रामीण महामंत्री पवन वर्मा, अतुल प्रताप सिंह, महिला जिला अध्यक्ष कुसुम दिगारी ,जिला महिला महामंत्री उर्वशी बोरा, युवा अध्यक्ष उमेश गुप्ता, युवा महामंत्री तनिष्क शर्मा आदि रहे।

पुलिस मुठभेड़ में गौ तस्कर गोली लगने से घायल, अस्पताल में भर्ती

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

जनपद की एक कोतवाली क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में गौ तस्कर के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल गो तस्कर को अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना पर एसएसपी समेत कई पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसएसपी ने गो तस्कर से जानकारी ली। घायल गो तस्कर के विरुद्ध उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में गो तस्करी, पशु चोरी व हत्या के मुकदमें पंजीकृत है। पुलिस के मुताबिक

पुलिस को गो तस्करी में लिप्त तस्लीम कुरैशी पुत्र छोटे निवासी वार्ड 15 कुरैशी मोहल्ला किच्छा के बाईक पर कट्टा बांधकर तस्करी की सूचना मिली। सूचना पर किच्छा कोतवाली पुलिस सक्रिय हो गई और पुलिस उसके पीछे लग गयी। सूत्रों के मुताबिक चौकी कलकत्ता फार्म क्षेत्र बाईक सवार को रोकने का प्रयास किया तो वह अपनी बाईक छोड़ कर जंगल की तरफ भाग निकला और पुलिस को आता देख कर उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस कर्मी पेड़ो की आड़ ले बाल बाल बच गए। जबाव में पुलिस ने भी फायरिंग की। तस्लीम कुरैशी पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

तभी पुलिस ने उसके पास से अवैध असलाह बरामद किया। फिर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किच्छा में भर्ती कराया। मुठभेड़ की सूचना पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा भी अस्पताल पहुंच गए। एसएसपी ने गो तस्कर से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए गोतस्कर के विरुद्ध उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में कई अभियोग पंजीकृत है। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। एसएसपी ने बताया कि अपराध करने वालों को किसी सूरत में बक्शा नही जाएगा। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। एसएसपी के तेवरों के चलते अपराधियों के हौसले पस्त होते नजर आ रहे हैं। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अपराधी राज्य की सीमा से लगे क्षेत्र में भाग रहे हैं।

निर्धारित समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य को पूर्ण करने के दिए निर्देश

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

सचिव लोक निर्माण विभाग, श्रम विभाग उत्तराखंड डॉ पंकज कुमार पांडेय ने सोमवार शाम 1152 करोड़ की धनराशि की लागत से 20.640 किमी लंबी निर्माणाधीन रूद्रपुर बाईपास राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि रूद्रपुर बाईपास का कार्य तेजी से चल रहा है जिसके पूर्ण होने के उपरांत क्षेत्रीय जनता को जाम जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी एवं औद्योगिक संस्थानों को भी इसका लाभ मिलेगा। इसके साथ ही अन्य प्रदेशों से आने वाले पर्यटकों को भी सुगमता होगी। जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य को पूर्ण करने के निर्देश पीडी एनएचआई को दिये। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश है कि जनपद व प्रदेश गड्ढामुक्त सड़क किया जाये।जिसके क्रम में निरन्तर कार्य किया जा रहा है। पीडी एनएचआई विकास मित्तल ने बताया कि रूद्रपुर बाईपास के निर्माण पूर्ण करने की तिथि 31 दिसम्बर,2025 निर्धारित है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि उक्त कार्य को निर्धारित समय सीमा से पहले कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। निरीक्षण के दौरान एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम कौस्तुभ मिश्रा, साईड इंजिनियर तुषार गुप्ता सहित आदि मौजूद रहे।

खोदी गई सड़कों का शीघ्र निर्माण किया जाए : रावत

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अंतर्गत पेयजल एवं सीवर लाइन कार्य का आयुक्त दीपक रावत ने स्थलीय निरीक्षण कर खोदी गई सड़कों के निर्माण का निर्देश दिया।

आयुक्त दीपक रावत ने प्रोजेक्ट मैनेजर एडीबी कुलदीप सिंह के साथ शनिबाजार, नीलियम कालोनी, भगवानपुर एवं पनचक्की क्षेत्र के पेयजल एवं सीवर लाइन का स्थलीय निरीक्षण किया।

उन्होंने एडीबी के अधिकारियों से कहा कि जिन क्षेत्रों में पेयजल लाइन की टेस्टिंग होनी है, उन क्षेत्रों में शीघ्र टेस्टिंग कराकर मार्ग की मरम्मत की जाए।

आयुक्त ने भगवानपुर की पेयजल लाइन में लूपटेस्टिंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों के जांच को लेकर डीएम को दिया ज्ञापन

नैनीताल । नगर पालिका परिषद भवाली में निर्माण कार्यों के जाँच के लिए नंद किशोर पांडे द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। बता दें कि ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया की 07 नवंबर व 09 जनवरी को नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा द्वारा वर्ष 2019 से वर्ष 2023 तक किये गये विकास कार्यों की वित्तीय एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही के सम्बन्ध में जाँच कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये थे। उक्त निर्माण कार्यों में जाँच नहीं हुई तो नंद किशोर पांडे को मजबूरन उच्च न्यायालय की शरण में जाना पड़ेगा।

वनाग्नि सुरक्षा गोष्ठी का विशेष आयोजन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल वन प्रभाग के तहत नगर पालिका वन रेंज की ओर से सोमवार को बलियानाला बन वीट में पड़ने वाले अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कालेज के सभागार में वनाग्नि सुरक्षा गोष्ठी का विशेष आयोजन किया गया। गोष्ठी में छात्राओं को वन विभाग के कर्मियों की ओर से वनों में लगने वाली आग के दुष्परिणाम व बचाव के उपाय बताए गए। बता दें कि वन विभाग की ओर से फ यर सीजन में लगने वाली आग से जंगलों की सुरक्षा के लिए अभियान शुरू कर दिए हैं। विभाग की ओर से प्रथम चरण में स्कूल व गांव स्तर पर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका वन रेंज की ओर से सोमवार को छात्राओं के साथ वनाग्नि को लेकर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। वन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी त्रिलोक सिंह बोरा के दिशा निर्देशन में आयोजित की गयी गोष्ठी में विभागीय कर्मियों ने छात्राओं को फ यर सीजन में लगने वाली आग के कारण समेत आग से जंगलों को होने वाले नुकसान के बारे में बताया, साथ ही छात्राओं को जंगलों को आग से बचाने के उपाय जंगलों में लगी आग के दौरान किये जाने वाले उपाय भी बताए। उन्होंने छात्राओं से कहा कि जंगल हैं तो जीवन है इसलिए सभी को मिलकर जंगलों की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वनों की सुरक्षा से ही वन्य जीवों की सुरक्षा भी संभव है। इससे पूर्व संस्था की प्रधानाचार्या जयश्री की ओर से विभाग के कर्मियों का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के गोष्ठी के आयोजन से छात्राओं में वनों तथा वन जीवों में सुरक्षा को लेकर जनजागरुकता आती है। उन्होंने भी छात्राओं का आह्वान किया कि वह वनों व वन्य जीवों की सुरक्षा में अपना अहम योगदान दें। इस मौके पर वन विभाग की ओर से विभागीय कर्मचारी संतोष गिरी, नारायण, मनीषा नेगी, धर्मा बिष्ट तथा रजत कुमार व नंदन सिंह समेत स्कूल की छात्राएं मौजूद थी।

जनता इंटर कॉलेज का अर्द्धवार्षिक परीक्षाफल उत्सव के रूप में घोषित

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

सोमवार को जनता इंटर कॉलेज में अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। परीक्षाफल की घोषणा एक उत्सव के रूप में की गयी। जिसमें विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य डॉ सतीश कुमार ने अर्द्धवार्षिक परीक्षा परीणाम की घोषणा की। उन्होंने सभी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। बालक वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सुमित कक्षा 7 बी के छात्र ने 93.3 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में नन्दनी 8 जी की छात्रा ने 93.55 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग (6,7,8) में 7 बी के सुमित,8 बी के राज मजूमदार ने तथा 8 जी से नन्दनी, सब जूनियर वर्ग (9,10) में 10 बी से अर्पित गंगवार,9 बी से अनुज कुमार एवं निशा 9 जी ने तथा सीनियर वर्ग (11,12) में 12 बी के यश चौहान,12ए के मयंक और श्रीयशी पांडेय 12जी अपने वर्गों में शीर्ष स्थान पर रहे। छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मनित किया। इसके अलावा कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रों को भी मेडल देकर पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा ही एक मात्र उपाय होता है क्योंकि सफलता के लिए कोई शार्टकट नहीं होता। शिखर पर पहुँचने के लिए निरन्तर प्रयास करना होता है और निरन्तर प्रयास का परिणाम ही अच्छे भविष्य की ओर ले जाता है। इस दौरान संजय आर्य, महेन्द्र कुमार,अर्जुन सिंह,भुवन चन्द्र डूंगराकोटी, मनोज सिंह, मनोज जौहरी, पंकज, अमित कपूर,रचना नेगी,विजय त्रिवेदी,अनिल गंगवार,विरेन्द्र जोशी,उत्तम अधिकारी,देवेन्द्र रावत,सुरेश गुप्ता,हेम पन्त, गोविन्द, यतेन्द्र, चम्पा, रेनू समेत अन्य अध्यापक अध्यापिकाएं और अभिभावक मौजूद रहे।